an>

Title: Need to revive life-saving drugs manufacturing companies in the country.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय सभापति जी, मेरे लोक सभा क्षेत्र हरिद्वार के अंतर्गत ऋषिकेश और वीरभद्र क्षेत्र के अलावा हैदराबाद और गुड़गांव में भी सन् 1962 में आईडीपीएल को भारत सरकार ने गरीबों को सस्ती दरों पर दवाइयां देने के लिए स्थापित किया था।

श्रीमन, हजारों-करोड़ रुपये की सम्पत्ति से तैयार देश के लिए जीवनरक्षक दवाइयों की निर्माता ये ऐसी यूनिट्स हैं, जिन्होंने गुजरात के सूरत में प्लेग फैलने पर उसकी रोकथाम के लिए और देश में आपातकाल के समय में दवाइयां उपलब्ध करवाने का काम किया था। लेकिन आज ये दम तोड़ती नज़र आ रही हैं। हजारों लोगों की रोज़ी-रोटी छीनी जा रही है और वे बेघर होने को मजबूर हैं। इसके कारण से देश के लिए संकट खड़ा हो रहा है, क्योंकि जीवनदायी दवाइयों को चीन से खरीदा जा रहा है। मैं पुरजोर मांग करना चाहता हूं कि ऐसी यूनिट्स जो देश की प्रगति में, देश की रक्षा में और देश के स्वास्थ्य मिशन में मील का पत्थर साबित हो सकती थीं और मील का पत्थर साबित हुई हैं, ऐसी यूनिट्स को, जो कि दम तोड़ती नज़र आ रही हैं, अत्याधुनिक तकनीक के साथ, नये निर्माण के साथ पुनर्जीवित किया जाए ताकि देश की प्रगति में यह आगे बढ़ सकें और जीवन रक्षा कर सकें। आपात स्थिति में यदि चीन ने जीवनरक्षक औषधियों को देने से इंकार कर दिया तो देश संकट में आ जाएगा। इसलिए मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इन यूनिट्स को नई तकनीक के साथ शुरू किया जाए।